799

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVS-101

वास्तुशास्त्र का स्वरूप व परिचय

Diploma in Vastu Shashtra (DVS-20)

1st Semester Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. वास्तु शास्त्र की परिभाषा देते हुए उसकी उपयोगिता सिद्ध कीजिए?

2. वास्तु शास्त्र और आधुनिक वास्तु शास्त्र की समानतायें व भेद बताएं।

3. उपवेदों का विस्तृत परिचय दीजिए?

4. वास्तु शास्त्र में दिग् प्रयोजन व दिक् साधन की विधियों को लिखिए।

5. आवासीय वास्तु के अन्तर्गत भूमि एवं भवन के प्रकारों का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. दिग् दोष से क्या अभिप्राय है?

2. देवालय की मुख्य तीन शैलियाँ कौन-कौन सी हैं?

3. धार्मिक वास्तु क्या है?

4. वास्तु के दोषों का वर्णन कीजिए।

5. भूखण्ड चयन क्या है?

6. कूर्मपृष्ठ भूमि के लक्षण बताएं।

7. गजपृष्ठ भूमि के लक्षण बताएं।

8. नागपृष्ठ भूमि के लक्षण बताएं।